

भारत में बीमा क्षेत्र

प्रलिस के लयः

बीमा, भारतीय बीमा वनलरामक और वकलस प्राधकरण (IRDAI), GDP, प्रत्यक्ष वदलशी नवलश, GST, वतलतीय साकषरता, वर्ष 2047 तक सभी के लयः बीमा, वैधानकल नकलय, बीमा सुगम, बीमा वाहक, बीमा वसलतार, माइकरोफाइनेंस, प्रधानमंतरी जन धन योजना, अटल पेंशन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, डलजलटल वयक्तगत डेटा संरक्षण (DPDC) अधनलयम, 2023 ।

मेन्स के लयः

बीमा क्षेत्र, भारत में बीमा क्षेत्र की चुनौतलरल और आगे की राह ।

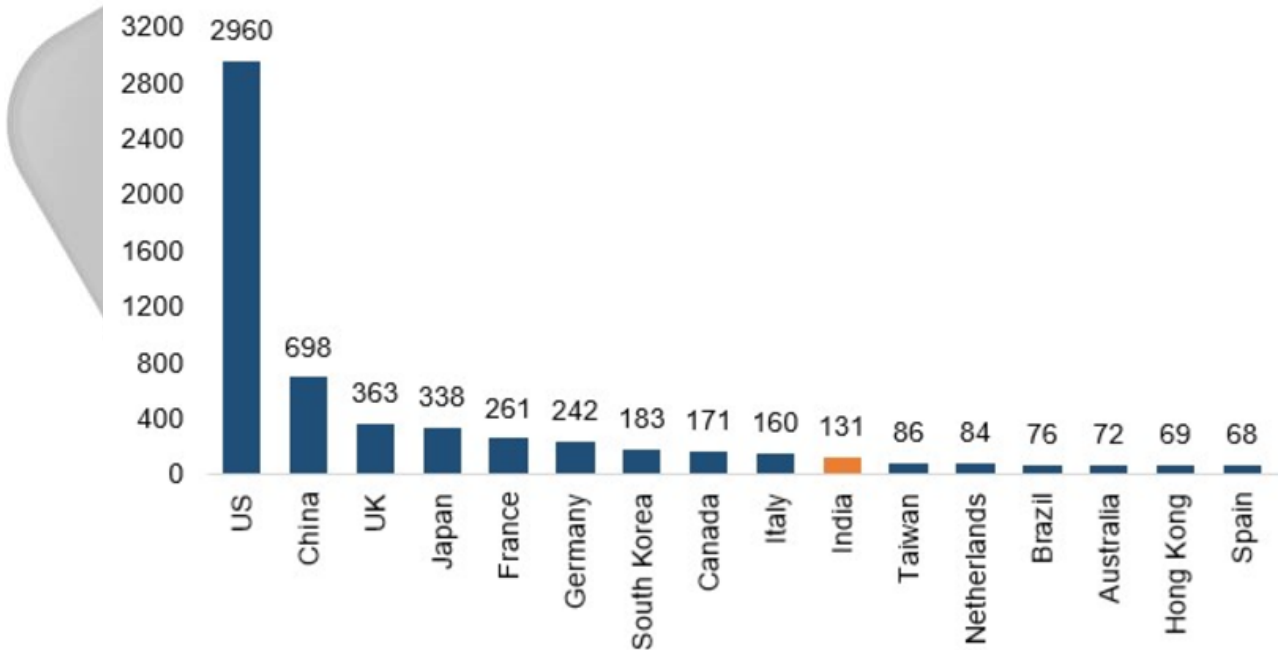
सरोतः बज़नेस स्टैण्डर्ड

चरुा में क्युँ?

हाल ही में, भारत में कई सामान्य बीमा कंपनलरल के प्रमुखुँ ने देश में बीमा क्षेत्र के समकष आने वाली चुनौतलरल पर चरुा करने के लयः बैठक कर उदुयोग के भवष्य के बारे में अपने वचलर साझा कयल ।

//

Total Premium Volume 2022 (US\$ billion)



भारत में बीमा क्षेत्र की वर्तमान स्थतलक्युा है?

- वैशुवकल बाज़ार स्थतलक्युा: वशल्व में 10वें सबसे बड़े बीमा बाज़ार तथा उभरते बाज़ारुँ में दूसरा सबसे बड़ा स्थान भारत का है, जसलका बाज़ार में

अनुमानति 1.9% का योगदान है।

- संभावना: **भारतीय बीमा वनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)** के अनुसार, भारत एक दशक के भीतर जर्मनी, कनाडा, इटली और दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ते हुए छठा सबसे बड़ा बीमा बाज़ार बन जाएगा।
 - भारत में बीमा बाज़ार वर्ष 2026 तक 222 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
- बीमा घनत्व: यह वर्ष 2001 में 11.1 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2022 में 92 अमेरिकी डॉलर हो गया है।
 - इस वर्गीकरण में 70 अमेरिकी डॉलर का जीवन बीमा घनत्व तथा 22 अमेरिकी डॉलर का गैर-जीवन बीमा घनत्व शामिल है।
 - बीमा घनत्व प्रतिव्यक्ति औसत बीमा प्रीमियम को मापता है।
- बीमा प्रवेश: यह वर्ष 2000 में 2.7% से बढ़कर वर्ष 2022 में 4% हो गया है।
 - बीमा प्रवेश को **सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में प्रीमियम के रूप में परिभाषित** किया जाता है।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI): वर्ष 2014-23 के बीच बीमा क्षेत्र को लगभग 54,000 करोड़ रुपए (6.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का FDI प्राप्त हुआ है।
 - वर्तमान में बीमा क्षेत्र में 74% FDI की अनुमति है।
- बाज़ार संरचना: **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)** एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी है, जिसके पास वित्त वर्ष 2023 के लिये नए व्यवसाय प्रीमियम में 62.58% बाज़ार हिस्सेदारी है।
 - सामान्य और स्वास्थ्य बीमा में नज़ि क्षेत्र की बाज़ार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2020 में 48.03% से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 62.5 % हो गई है।

भारत के बीमा क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ क्या हैं?

- बीमा तक सीमति पहुँच: वैश्विक मानकों की तुलना में भारत में बीमा पहुँच काफी सीमति बनी हुई है।
 - वर्ष 2022 में भारत में बीमा पहुँच 4% थी जबकि वैश्विक स्तर पर यह 6.5% थी।
- सामर्थ्य संबंधी चिंताएँ: उच्च लागत की धारणा (वर्षिष रूप से 18% GST दर के कारण) संभावित खरीदारों को हतोत्साहित कर रही है।
- वतिरण अकुशलताएँ: दूरदराज़ के क्षेत्रों (वर्षिष रूप से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों) तक इसकी पहुँच सीमति है।
 - भारत की 65% जनसंख्या (अर्थात 90 करोड़ से अधिक लोग) ग्रामीण क्षेत्रों में है फरि भी इनमें से केवल 8%-10% लोगों के पास जीवन बीमा कवरेज है।
- अनुकूलन का अभाव: वर्षिष आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलन विकल्पों का अभाव, संभावित पॉलिसीधारकों के लिये स्वास्थ्य बीमा को कम आकर्षक बनाता है।
- धोखाधड़ी एवं जोखमि मूल्यांकन चुनौतियाँ: धोखाधड़ी वाले दावे एवं अकुशल जोखमि मूल्यांकन से लागत में वृद्धि होती है।
- डिजिटल परिवर्तन की बाधाएँ: बीमा प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से साइबर सुरक्षा जोखमि बढ़ जाता है जिससे यह क्षेत्र संवेदनशील डेटा की तलाश करने वाले दुरभावनापूर्ण अभिकर्ताओं हेतु एक लक्ष्य बन जाता है।
- सीमति वतितीय साकषरता: आम लोगों की सीमति वतितीय साकषरता से बीमा उत्पादों के संबंध में सूचिति नरिणय लेने की कषमता में बाधा आती है।
 - भारत में 5 में से 1 स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारक, स्वयं पॉलिसी खरीदने के बावजूद भी पॉलिसी की मूल शर्तों से अनभिज्ञ है।

IRDAI क्या है?

- वर्ष 1999 में स्थापित IRDAI एक नयामक संस्था है जिसका उद्देश्य बीमा ग्राहकों के हितों की रक्षा करना है।
 - यह IRDAI अधनियम, 1999 के तहत एक वैधानिक निकाय है और यह वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है।
- यह बीमा-संबंधी गतिविधियों की नगरानी करते हुए बीमा उद्योग के विकास को वनियमति करता है।
- प्राधिकरण की शक्तियाँ और कार्य IRDAI अधनियम, 1999 एवं बीमा अधनियम, 1938 में नरिधारित हैं।

वर्ष 2047 तक सभी के लिये बीमा

- IRDAI का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 'सभी के लिये बीमा' सुनिश्चिति करने के साथ यह सुनिश्चिति करना है कि प्रत्येक नागरिक के पास व्यापक जीवन, स्वास्थ्य एवं संपत्ति बीमा कवरेज हो तथा उद्यमों को उचिति बीमा समाधानों के साथ समर्थन दिया जाए।
- 3 स्तंभ: बीमा ग्राहक (पॉलिसीधारक), बीमा प्रदाता (बीमाकर्ता) और बीमा वतिरक (मध्यस्थ)
- फोकस क्षेत्र:
 - सही ग्राहकों को सही उत्पाद उपलब्ध कराना
 - मज़बूत शकियत नविारण तंत्र स्थापित करना
 - बीमा क्षेत्र में कारोबार को सुलभ बनाना
 - यह सुनिश्चिति करना कि वनियामक संरचना बाज़ार की गतिशीलता के अनुरूप हो
 - नवाचार को बढ़ावा देना
 - प्रौद्योगिकी को मुख्यधारा में लाते हुए तथा सिद्धांत आधारित नयामक व्यवस्था की ओर बढ़ते हुए प्रतिस्पर्धा और वतिरण दक्षता को बढ़ावा देना।

बीमा कवरेज बढ़ाने के लिये सरकार की क्या पहल हैं?

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना (PMJJBY)

- [प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना \(PMSBY\)](#)
- [आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना \(AB-PMJAY\)](#)
- [प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना \(PMFBY\)](#)

आगे की राह

- **उत्पाद सरलीकरण:** व्यापक दर्शकों को आकर्षित करने के लिये सरल, समझने में आसान उत्पाद विकसित करना, विशेष रूप से ग्रामीण और कम पहुँच वाले क्षेत्रों के लिये सामर्थ्य और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना।
- **पहुँच में वृद्धि:** वितरण चैनलों को बेहतर बनाने के लिये [बीमा सुगम](#), [बीमा वाहक](#) और [बीमा वसितार](#) जैसे कार्यक्रमों का वसितार करना, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में।
 - वे [बीमा ट्रनिटि](#) का हिस्सा हैं, जो बीमा उत्पादों को जनता के लिये अधिक सुलभ बनाने हेतु IRDAI की एक परियोजना है।
- **बैंकएशयोरेंस वसितार:** कॉर्पोरेट एजेंटों को बैंकों और [माइक्रोफाइनेंस संस्थानों](#) के साथ सहयोग करके [बीमाकर्त्ता साझेदारी का वसितार](#) करने की अनुमति देना।
- **सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना:** [प्रधानमंत्री जन धन योजना](#), [अटल पेंशन योजना](#) और [सुरक्षा बीमा योजना](#) जैसे मौजूदा कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना ताकि सुभेद आबादी को बीमा के दायरे में लाया जा सके।
- **प्रौद्योगिकी अपनाना:** हाइपर-वैयक्तिकृत पेशकशों, दावों के प्रसंस्करण और धोखाधड़ी का पता लगाने के लिये [AI-संचालित उपकरणों का उपयोग](#) करना, जिससे तेज़ और अधिक कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित हो सके।
 - [डिजिटल व्यक्तगत डेटा संरक्षण \(DPDC\) अधिनियम, 2023](#) का अनुपालन करने के लिये उन्नत एन्क्रिप्शन को अपनाना, जिससे ग्राहकों का विश्वास बढ़े।

?????? ???? ????:

प्रश्न: भारत में बीमा क्षेत्र के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये। इन चुनौतियों से निपटने के लिये क्या रणनीति अपनाई जा सकती है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न: भारत में, किसी व्यक्ति के साइबर बीमा कराने पर, नधिकी हानिकी भरपाई एवं अन्य लाभों के अतिरिक्त नमिनलखिति में से कौन-कौन से लाभ दिये जाते हैं? (2020)

1. यदि कोई किसी मैलवेयर कंप्यूटर तक उसकी पहुँच को बाधित कर देता है तो कंप्यूटर प्रणाली को पुनः प्रचालित करने में लगने वाली लागत
2. यदि यह प्रमाणित हो जाता है कि किसी शरारती तत्त्व द्वारा जानबूझ कर कंप्यूटर को नुकसान पहुँचाया गया है तो एक नए कंप्यूटर की लागत
3. यदि साइबर बलात्-ग्रहण होता है तो इस हानिको न्यूनतम करने के लिये विशेष परामर्शदाता की की सेवाएँ पर लगने वाली लागत
4. यदि कोई तीसरा पक्ष मुकदमा दायर करता है तो न्यायालय में बचाव करने में लगने वाली लागत

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2 और 4
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: B

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2020)

1. आधार मेटाडेटा को तीन महीने से अधिक समय तक संग्रहीत नहीं किया जा सकता है।
2. आधार के डेटा को साझा करने के लिये राज्य नजिी नगिमों के साथ कोई अनुबंध नहीं कर सकता है।
3. बीमा उत्पाद प्राप्त करने के लिये आधार अनविर्य है।
4. भारत की संचति नधि से लाभ प्राप्त करने के लिये आधार अनविर्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 4
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर: B

??????

प्रश्न: सार्विक स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करने में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की अपनी परसीमाएँ हैं। क्या आपके वचिर में खई को पाटने में नजि क्षेत्र सहायक हो सकता है? आप अन्य कौन से व्यवहार्य विकल्प सुझाएँगे? (2015)

प्रश्न: वत्तीय संस्थाओं व बीमा कंपनियों द्वारा की गई उत्पाद वविधिता के फलस्वरूप उत्पादों व सेवाओं में उत्पन्न परस्पर व्यापन ने सेबी (SEBI) व इरडा (IRDA) नामक दोनों नयामक अभकिरणों के वलिय के प्रकरण को प्रबल बनाया है। औचित्य सदिध कीजयि। (2013)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/insurance-sector-in-india>

